बच्चों के साथ दादा-दादी भी स्कूल आएं

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने ब्यावरा में कार्यक्रम को संबोधित किया

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 20 दिसम्बर, का. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भारत सरकार वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में अंतर पीढ़ी गत संबंधों पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय प्रोग्रेसिव हाइट्स में किया गया. इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि बहुत पहले सामुहिक परिवार हुआ करते थे. चार भाईयों के परिवार में चूल्हा एक जलता था और चारों भाईयों की घर-परिवार के प्रति जवाबदारी बंटी रहती थी.

जैसे जैसे पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव आया हम एकल परिवार की तरफबढ़ते चले गये. हमें इस दिशा में जाना चाहिए कि बच्चों का दादा दादी के साथ नाना-नानी के साथ आत्मीय संबंध हो.

बच्चें उनके माता-पिता की व्यस्तता के बीच अपने दादा-दादी से मिलकर जब स्कूल के घटनाक्रमों से अवगत कराते है तो दोनो के बीच जो भरोसा, प्रेम-विश्वास दिखता है वह अद्भुत होता है. एकल परिवार की परंपरा पश्चिम देशो से निकलकर भारत के बड़े और अब छोटे शहरों तक पहुंच गई है. यह बहुत चिंताजनक और अपनी संस्कृति के विपरीत है.

आपने कहा कि हमारी नई पीढ़ी को अपने दादा-दादी के साथ बैठकर उनसे संवाद करना चाहिए. इससे वृद्धजनों और नई पीढ़ी के जीवन में ऊर्जा का संचार होता है. उन्होंने शिक्षा विभाग, स्कूल संचालकों से आह्वान किया कि पेरेंट्स मिटिंग की तरह वे साल में एक दिन बच्चों के साथ उनके दादा दादी या नाना नानी जो है उनको लेकर आने का प्रोग्राम रखे. आप कल्पना करें कि किस प्रकार बच्चा उनकी उंगली पकड़ कर विद्यालय में दादा-दादी को घुमाएगा और खुद प्रसन्न होगा और उन्हें भी प्रसन्नचित कर देगा. आपने जिला कलेक्टर व सभी जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे इस प्रकार का कार्यक्रम वर्ष में एक बार जिले के कस्बों, नगरों में करें.

इसी प्रकार 70 वर्ष से अधिक के वृद्धजनों को सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के लिये शिविर लगाएं और उन्हें इसका लाभ दिलाएं. आपने कहा कि वर्ष में एक बार वृद्ध दिवस मनाना की परिकल्पना पश्चिम की है.

वृद्धाश्रम की जगह अनाथालय हो

सांसद रोडमल नागर ने अपने संबोधन में कहा कि यह नरेंद्र मोदी के जमाने का भारत है . इसमें विकास के साथ विरासत, संस्कार की भी चिंता की जा रही है . आज का यह आयोजन इसी की कड़ी है . इसके माध्मय से नई पीढ़ी को पुराने अनुभव और मार्गदर्शन बताने का अनोखा प्रयास है . सांसद श्री नागर ने कहा कि सभी जानते है कि किसी भी पिता के लिये बेटे-बेटी मूलधन है लेकिन उनके नाती-पोते ब्याज है . इसलिये वृद्धजनों को दादा-दादी को अपने ब्याज से बहुत प्रेम रहता है . सांसद श्री नागर ने इस अवसर पर कहा कि वृद्धाश्रम के स्थान पर अनाथालय शब्द का प्रयोग होना चाहिए .इससे उन निष्ठुर बच्चों के मन में भी एक बार विचार आयेगा कि हमारे माता-पिता हमारे जीते जी अनाथ कैसे हो सकते है . इससे उन्हें सामाजिक तिरस्कार का भी सामना करना पड़ेगा . बेहतर होगा अगर हम वृद्धाश्रम को अनाथालय बोले . जो वास्तविकता में अनाथ है उनका तो समाज, सरकार चिंता करती है लेकिन वो लोग जो अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ जाते है उनको यह नाम सोंचने को विवश करेगा .

राज्यमंत्री पंवार ने रखी क्षेत्र के विकास की मांग

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायण सिंह पंवार ने केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार के आगमन को नगर का शौभाग्य बताते हुए कहा कि उनके मन में जो वद्धजनों के प्रति सम्मान और उनके लिये कुछ बेहतर करने का जज्बा है वह अनुकर्णीय है . आपने उनसे अपने मंत्रालय के माध्यम से ब्यावरा नगर में विकास के लिये कुछ सौगात देने का आह्वान किया. इसमें ब्यावरा में वृद्धाश्रम की स्वीकृति, मानसिक रूप से अविकसित दिव्यांगजनों को स्थाई रूप से अविलंब प्रमाण पत्र दिये जाने, सामाजिक न्याय विभाग जिला राजगढ़ के कार्यालय भवन की स्वीकृति, ब्यावरा नगर में प्रधानमंत्री दिव्याशा केन्द्र तथा डे-केयर सेंटर खोलने की मांग की. कार्यक्रम में मौजूद राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कौशल विकास एवं रोजगार विभाग गौतम टेटवाल ने केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार के स्वागत में कहा कि आप बड़े धीर-गंभीर और अनुभवी नेता है . उन्होंने कहा कि जितनी मेरी राजनीतिक आयु है .

अधिक दाम पर किसानों को बेच रहे थे यूरिया

दुकान सील कर विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 20 दिसम्बर, का. जिले में यूरिया को लेकर संकट कम नहीं हो रहा है. प्रशासन द्वारा पर्याप्त आपूर्ति के बाद भी वितरक किसानों को अधिक दरों पर यूरिया बेच रहे है. बीते 19 दिसम्बर को किसानों द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर पवन कृषि सेवा केंद्र खुजनेर में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं उपसंचालक कृषि सचिन जैन के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के सहायक संचालक कृषि पीएस बारेला एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विशाल भालसे द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गई. जिसमें यूरिया का निर्धारित मूल्य 266.50 रुपए से अधिक दर पर बेचना एवं यूरिया उर्वरक के साथ अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों के टेकिंग का मामला सही पाया गया.

कृषकों द्वारा बताया गया की विक्रेता द्वारा किसी भी सामग्री का देयक नहीं दिया जा रहा है. कृषक धर्मेन्द्र यादव निवासी खुजनेर को यूरिया के 2 बेग 1 हजार रूपये में दिए गए एवं पोश मशीन में एंट्री भी नहीं की गई. प्राप्त शिकायतो का मौके पर पंचनामा बनाकर कृषको से कथन लिए गए एवं शेष बचे उर्वरक के भण्डारण को सील कर अग्रिम कार्यवाही हेतु कलेक्टर डॉ. मिश्रा के समक्ष पेश किया गया. कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा उर्वरक विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया. जिसके पश्चात् कृषि विभाग के द्वारा एफआईआर दर्ज की गई.

अवैध उत्खनन के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

नवभारत न्यूज

नर्मदापुरम. कलेक्टर सोनिया मीना से प्राप्त निर्देश के पालन में जिले में गौण खनिजों के अवैध उत्खनन / परिवहन/ भण्डारण के विरुद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। ग्राम मोहासा, तह0 -माखननगर औद्योगिक क्षेत्र जिला नर्मदापुरम, में संयुक्त रूप से राजस्व, खनिज एवं एम.पी.आई.डी.सी. विभाग द्वारा जांच की गई। जांच में यह पाया गया कि ग्राम मोहासा औद्योगिक क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम-धमासा में एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा फेस-01 प्लॉट नंबर-18 को आवंटित किया गया है। मौके पर उक्त क्षेत्र में खनिज मिट्टी का उत्खनन किया जाना पाया गया, जो कि लगभग 12319 घ0मी0 पाया गया। जिसकी विस्तृत जाँच कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा नियमित रूप से गौण खनिजों के अवैध उत्खनन / परिवहन की जाँच कर निरंतर कार्यवाही की जाती है। मोहासा से 01 डम्पर क्रमांक RJ19GF9431 एवं 02 डम्पर क्रमशः RJ17GB9099 एवं RJ17GC9007 को खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर वाहन मालिक / चालक के विरूद्ध गौण खनिज नियमों के तहत अवैध उत्खनन के प्रकरण दर्ज किया.

एक नजर में

सेवन में गांजे के पौधों की खेती

सागर 20 दिसंबर. जिले के जैसीनगर थाना अंतर्गत ग्राम सेवन में मुख्य मार्ग के किनारे ट्रांसफार्मर से सटकर बनाए बाड़े में अवैध रुप से गांजे के पौधों की खेती करते पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है . उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है . थाना जैसीनगर में पदस्थ थाना प्रभारी उप निरीक्षक हमराह स्टाफ के साथ आरोपियों की तलाश में अधिकृत शासकीय वाहन से ताजपुर की ओर रवाना हुए थे . इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सेवन में मेन रोड के पास ट्रांसफार्मर के बगल बने बाड़े में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से गांजे के पौधों की खेती की जा रही है . पुलिस के अनुसार ग्राम सेवन में मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश के दौरान एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया . पूछताछ में उसने अपना नाम रविन्द्र पिता श्रीसिंह ठाकुर, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम सेवन, थाना जैसीनगर बताया . आरोपी को धारा 50 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत विधिवत नोटिस देकर सहमति प्राप्त की गई तथा स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में तलाशी ली गई . पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तलाशी के दौरान बाड़े से छोटे-बड़े कुल 63 हरे, गीले गांजे के पौधे बरामद किए गए . पौधों की पहचान पत्ती मसलकर, सूंघकर एवं जलाकर, प्रशिक्षण व अनुभव के आधार पर गांजा होना प्रमाणित किया गया . बरामद गांजे को विधिवत उखाड़कर 5 प्लास्टिक बोरियों में पैक कर सीलबंद किया गया, जिसमें 10 पौधे - 19 .485 किग्रा, 08 पौधे - 24 .655 किग्रा, 15 पौधे - 11 .330 किग्रा, 15 पौधे - 10 .555 किग्रा, 15 पौधे 08 .255 किग्रा कुल वजन लगभग 74 किलो 280 ग्राम अनुमानित कीमत 7,40,000 बताई गई है . आरोपी से गांजे की खेती के संबंध में वैध लाइसेंस के बारे में पूछताछ की गई, जो उसके पास नहीं पाया गया . एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर केस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया .

घरेलू सामान एवं 10 हजार रुपए नकद चोरी

मुलताई . ग्राम बिसनूर में नर्स के शासकीय आवास से अज्ञात चोरो ने घरेलु सामान एवं 10 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। गौरतलब है मासोद चौकी क्षेत्र में चोरी का सिलसिला जारी है पहले बिसनूर में पहले दुकाने, मंदिर एवं टेमू रनी बांध से किसानों की मोटर पंप रात के अंधेरे में चोरी हो रहे हैं। पुसली निवासी प्रकाश मायवाड़ एवं बिसनुर निवासी उमेश मालवी की टेमुरनी डेम पर लगा मोटर पंप पिछले सप्ताह में अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया। वहीं गुरुवार की रात बिसनुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ स्टाफ नर्स रुबीना मोटलानी के क्वार्टर को चोरों ने निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रुबीना ने बताया कि बिसनुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आहते में बने फैमिली क्वार्टर में वह निवासरत है गुरुवार को डयूटी खत्म कर अपने ग्रह ग्राम मासोद चली गई थी। शुक्रवार को दोपहर ड्यूटी पहुंची तो क्वार्टर का ताला टूटा हुआ था सामान बिखरा पड़ा था गुरुवार शुक्रवार के दरम्यानी रात में चोरों ने स्टाफ नर्स के कमरे में धावा बोलकर गैस सिलेंडर कपड़े, राशन सहित रोजमर्रा में इस्तेमाल आने वाले सामान सहित 10 हजार नगदी लेकर फरार हो गए।

सोनखरा में सरकारी जमीन को लेकर खूनी संघर्ष

दोनों पक्षों ने एसपी को दिया आवेदन, सरपंच के रिश्तेदार बोले हमने हमला नहीं किया

नवभारत न्यूज

गुना 20 दिस. का। जिले के बमौरी ब्लॉक अंतर्गत सोनखरा गांव में 19 दिसंबर को सरकारी जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामले में पुलिस अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

शनिवार को दोनों पक्षों ने एसपी अंकित सोनी को अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। खास बात यह रही कि दोनों ज्ञापनों में किसी एक व्यक्ति के बजाय 'समस्त ग्रामवासी' का उल्लेख किया गया है। फरियादी पक्ष का आरोप है कि सरपंच और उनके परिवार ने गांव में आतंक का माहौल पैदा कर दिया है। उनके

अनुसार घटना के मुख्य आरोपी अवधेश धाकड़ ने फरसे से हमला किया, जिससे बुजुर्ग शंकरलाल धाकड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, जो अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। आरोप है कि कई अन्य आरोपी भी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे गांव में असुरक्षा का माहौल है। दूसरी ओर, सरपंच से जुड़े पक्ष ने पुलिस को दिए ज्ञापन में अपनी दलील पेश की। उनका दावा है कि गांव की सरकारी जमीन पर कुछ दबंगों ने कब्जा कर रखा है। शुक्रवार को जब ठेकेदार वहां सरकारी इमारत का निर्माण शुरू करने पहुंचे, तो कब्जाधारियों ने सरपंच और सचिव के साथ मारपीट शुरू कर दी। सरपंच पक्ष का कहना है कि जब पुलिस कुछ लोगों को थाने ले गई, तब पीछे से उपद्रवियों ने अवधेश धाकड़ को घेरकर पीटा। घायल बुजुर्ग के संबंध में उन्होंने दावा किया कि उनके साथ मारपीट नहीं हुई, बल्कि वे जमीन पर गिरकर घायल हुए हैं। उन्होंने पुलिस पर बिना जांच किए गंभीर धाराओं में केस दर्ज करने का आरोप लगाया है। इस पूरे घटनाक्रम पर एसडीओपी विवेक अष्टाना ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि गांव में सरकारी स्कूल के निर्माण को लेकर विवाद हुआ.

31 तक पीएम आवास का काम पूरा नहीं कराया तो होगी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

बैतूल, 20 दिसंबर. पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 का क्रियान्वयन वैसे तो मार्च 2025 में पूर्ण हो चुका है, लेकिन सरकार ने अधूरे आवास को पूर्ण करने के लिए 31 दिसंबर तक की डेडलाइन दी थी।

जिसके बाद पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। केवल पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 लागू रहेगी, जिसके लिए वर्तमान में नए आवेदन लिए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि प्रथम चरण में स्वीकृत और अधूरे मकान समय पर पूरे हो जाएं, ताकि योजना की साख बनी रहे। इसी उद्देश्य को लेकर केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा था कि 31 दिसंबर 2025 तक हर हाल में अधूरे आवास पूर्ण कराये जाये, लेकिन जिले की निकायों में अभी भी 405 पीएम आवास अधूरे है। इन आवासों के अधूरे होने के पीछे हितग्राहियों की ही लापरवाही बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हितग्राहियों ने शासन से मिलने वाली राशि तो ले ली, लेकिन नियमानुसार निर्माण नहीं किया। जिसकी वजह से उनकी अगली किस्त नहीं आई। अब 31 दिसंबर तक आवास पूर्ण नहीं हुए तो सरकार से मिलने वाले निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाही होगी या ऐसे हितग्राहियों पर रिकवरी, बैंक खाते सीज करने तथा कुर्की जैसी कार्रवाही भी हो सकती है।

बताया जा रहा है कि नगरपालिका बैतूल के अंतर्गत 24 ऐसे हितग्राही थे, जिन्होंने पीएम आवास की राशि तो ले ली, लेकिन आवास नहीं बनाये।

अवैध गैस रिफिलिंग व व्यावसायिक उपयोग पर प्रशासन का शिकंजा

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध और व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध जिले में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश कुमार पांडे के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान अंबेडकर चौराहे पर संचालित साउथ इंडियन अन्ना डोसा सेंटर से दो घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जिनका उपयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए किया जा रहा था। इसके अतिरिक्त कर्नलगंज स्थित कृष्णा रिफिलिंग सेंटर से दो सिलेंडर, बूढ़े बालाजी पानी की टंकी के समीप राजू कुशवाह के पास से एक सिलेंडर तथा राठौर रिफिलिंग सेंटर से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया। इस प्रकार विभाग ने कुल छह घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रिफिलिंग और व्यावसायिक उपयोग किए जाने के मामले में अपनी अभिरक्षा में लिए हैं। इस पूरी कार्रवाई के बाद आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण तैयार कर अंतिम निर्णय हेतु कलेक्टर को प्रेषित किए जा रहे हैं। शनिवार को हुई इस दबिश में जिला आपूर्ति अधिकारी के साथ कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुर्वेदी एवं श्रीमती इंदु शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। घरेलू ईंधन का गलत तरीके से उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त निगरानी रखी जा रही है।

गौवंश को कत्लखाने ले जा रहे 2 आरोपी पकड़ाए

मुलताई. थाना क्षेत्र के ग्राम बिरोली झिल्पा के पास से पुलिस द्वारा गौवंश की तस्करी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर 4 गौवंश जप्त कर गौशाला भिजवाया गया है ।टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया बीते 18 दिसम्बर 2025 को शाम करीब 6 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बिरोली झिल्पा क्षेत्र में दो व्यक्ति 4 नग गौवंश (बैल) को अवैध रूप से हांकते हुए ले जा रहे हैं ।जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी नरेन्द्र सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची ।मौके पर पुलिस टीम ने पाया की 2 व्यक्ति 4 नग गौवंश बैलों को मारते-पीटते, भूखे-प्यासे हालत में पैदल हांकते हुए पट्टन की ओर ले जा रहे थे। पुलिस टीम को देखकर आरोपी गौवंश को छोड़कर भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर

बमुश्किल पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा प्रारंभ में गौवंश मोर्शी (महाराष्ट्र) ले जाना बताया। जिनसे वैध दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। सघन पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे उक्त गौवंश मोर्शी जिला अमरावती (महाराष्ट्र) स्थित कत्लखाने ले जा रहे थे। पुलिस द्वारा आरोपी राजेश उर्फ गोलू पिता जंगीलाल काले, उम्र 28 वर्ष, जाति गायकी, निवासी ग्राम घाट पिपरिया, थाना मुलताई, जिला बैतूल एवं दीनू उर्फ दिनेश पिता मिरगु सूर्यवंशी, उम्र 35 वर्ष, जाति निहाल, निवासी ग्राम प्रभातपट्टन, थाना मुलताई, जिला बैतूल के खिलाफ धारा 4, 6, 9 मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया है.

होटल से शराब बरामद

सागर. बहेरिया थाना प्रभारी उप निरीक्षक (परि.) प्रतिमा जैन के नेतृत्व में थाना बहेरिया पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहेरिया गदगद में इंजीनियरिंग कॉलेज गेट के सामने स्थित एक निजी होटल में पैदल पेट्रोलिंग के दौरान रेड की गई. कार्रवाई के दौरान मौके से करीब 36.81 लीटर ब्रांडेड अंग्रेजी एवं देशी अवैध शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 46,440 रुपये बताई गई है. रेड के समय होटल में अवैध रूप से शराब विक्रय करते हुए दो आरोपी अभिषेक पटैल निवासी लक्ष्मीनगर, थाना बहेरिया, मुकेश सोनी, निवासी इतवारी थाना मोतीनगर, को पकड़ा है. पुलिस के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध थाना बहेरिया में अपराध क्रमांक 365/2025 के तहत आबकारी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है.

निरीक्षण ▶ खिलचीपुर स्थित गौशाला में तीन गायों की मौत होने के मामले में जांच करने पहुंची टीम

3 सदस्यों के दल ने कहा क्षमता से अधिक गाएं हैं गौशाला में

नवभारत न्यूज

खिलचीपुर 20 दिसम्बर, सं. खिलचीपुर स्थित श्रीकृष्ण गोशाला में तीन गायों की मौत और बदहाल व्यवस्थाओं का खुलासा होने के बाद पशुपालन विभाग हरकत में आया है. राजगढ़ पशु विभाग के उपसंचालक डॉ. प्रवीण कुमार दीक्षित ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया. शनिवार को यह जांच दल गोशाला पहुंचा और पूरे परिसर का निरीक्षण किया.

जांच टीम में डॉ. मान सिंह बामनिया, डॉ. सोनाली ठाकुर और डॉ. मधुसूदन शाक्य शामिल थे. निरीक्षण के दौरान टीम के साथ मौजूद अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. ममता दीक्षित ने बताया कि गोशाला के अंदर 595 गोवंश पाए गए, जो

इसकी निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक हैं. निरीक्षण में पांच गोवंश बीमार अवस्था में भी मिले. डॉ. ममता दीक्षित ने कहा कि गोशाला में छोटे बछड़ों और विशेष रूप से बीमार गोवंश को अलग रखने के निर्देश दिए गए हैं. हालांकि, निरीक्षण में पाया गया कि बछड़े बड़े जानवरों के बीच ही थे, जिससे उनके दबने की आशंका बनी रहती है. उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि क्षमता से अधिक गोवंश होने के कारण गोशाला का प्रबंधन प्रभावित हो रहा है. गोशाला में कुत्तों की समस्या भी सामने आई है, जो बीमार या कमजोर गोवंश के लिए खतरा बन रहे हैं. निरीक्षण के दौरान जांच टीम ने पाया कि गोशाला में भूसा पर्याप्त मात्रा में मौजूद है और साफ-सफाई भी की जा रही है. हालांकि, पानी की टंकी काफी समय से साफ नहीं होने के संकेत मिले हैं. मृत गोवंश को कुत्तों द्वारा नोचे जाने की घटनाओं को गंभीर मानते हुए विभाग ने एक औपचारिक जांच समिति गठित की है. डॉ. दीक्षित ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी.

गोशाला अध्यक्ष का पक्ष : व्यवस्था पूरी हो चुकी है, डॉक्टर नहीं आएंगे

श्रीकृष्ण गोशाला के अध्यक्ष दिनेश पंचोली ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि गोशाला में चारा-पानी की पर्याप्त व्यवस्था है और मैनेजमेंट लगातार निगरानी करता है। रात में चौकीदार भी तैनात रहते हैं . उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी कुत्ते अंदर घुस आते हैं, जिससे नुकसान होता है, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा के इंतजाम किए गए है . बीमार पशुओं के लिए अलग कक्ष बनाया गया है, जहां इलाज किया जाता है . **इलाज को लेकर आरोप-प्रत्यारोप** - दिनेश पंचोली ने आरोप लगाया कि बीमार गायों के इलाज के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर समय पर नहीं आते . जब डॉक्टरों को बुलाया जाता है तो वे समय समाप्त होने की बात कहकर लौट जाते हैं . उन्होंने बताया कि इलाज के लिए कमल मालाकार आते हैं, जो पशु विभाग में परिचालक पद पर पदस्थ बताए जा रहे हैं . वहीं दिवेश पंचोली का कहना है कि डॉक्टरों द्वारा सही इलाज नहीं होने के कारण बीमार गायें पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो पातीं, जिससे मौत की स्थिति बनती है .

चिंताजनक : मोबाइल की लत से 172 बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित

नवभारत न्यूज

गुना. आधुनिक दौर में बच्चों को बहलाने के लिए मोबाइल थमाना उनके भविष्य के लिए घातक साबित हो रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में संचालित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र की ताजा रिपोर्ट ने एक चिंताजनक स्थिति पेश की है। पिछले 8 महीनों में की गई स्क्रीनिंग के दौरान जिले के 172 बच्चों में विभिन्न विकासात्मक विकार और व्यवहार संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।

मोबाइल बना विकास में बाधा स्क्रीनिंग के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि कई अभिभावकों ने बच्चों को मात्र 6 माह की उम्र से ही मोबाइल दिखाना शुरू कर दिया था। जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक विनीता सोनी ने बताया कि काम की अधिकता के कारण बच्चों को मोबाइल देना उनके व्यवहार और विकास पर भारी पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में बोलने में देरी (स्पीच डिले), सामाजिक संपर्क की कमी और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

इन विकारों की हुई पहचान डीईआईसी में चिन्हित किए गए 172 बच्चों में मुख्य रूप से बौद्धिक अक्षमता, स्वपरायणता (ऑटिज्म), सेरेब्रल पाल्सी, लर्निंग डिसेबिलिटी और डाउन सिंड्रोम जैसे गंभीर विकार पाए गए हैं। ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों में विशेष रूप से आंखों से संपर्क न बनाना (आई कॉन्टैक्ट) और असामान्य व्यवहार जैसी समस्याएं देखी गई हैं। चिकित्सकों का मानना है कि इन विकारों के पीछे गर्भावस्था में कुपोषण, समय से पूर्व जन्म, जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी या आनुवंशिक कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। थैरेपी से आ रहा सकारात्मक सुधार चिन्हित बच्चों के उपचार के लिए ऊएकउ में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। स्पेशल एजुकेटर प्रीति श्रीवास्तव द्वारा प्रतिदिन 8 से 10 बच्चों को विशेष शिक्षा, एबीए थैरेपी और बिहेवियर थैरेपी दी जा रही है। नियमित प्रशिक्षण और परामर्श के चलते इन बच्चों के व्यवहार, सीखने की क्षमता और सामाजिक मेलजोल में अब सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के विकास में होने वाली किसी भी देरी को नजरअंदाज न करें.